विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती,गुरूवार 11 से 17 जून 2026 ❖वर्ष :17 ❖अंक- 02 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

पानी का बुलबुला जिस तरह कुछ सेकंड में फूट जाता है, मानव जीवन भी कुछ उसी तरह अनिश्चित रहता है. लेकिन अगर सत्कर्म, अच्छा काम, किसी की मदद, प्रभु का सुमिरन जैसी खूबी होती है तो निश्चित तौर पर मन से अनिश्चितता का डर हट जाता है और पूरा जीवन खुशहाल हो जाता है. लेकिन दुर्भाग्य यह लोग अच्छे दिनों में नहीं समझ पाते हैं. बुरे दिनों को याद कर अच्छे दिन की ओर बढ़ने का प्रयास करें.

मौसम ने संतरा बगीचों का किया सत्यानाश

विदर्भ स्वाभिमान, 3 जून

अमरावती- क्षेत्र में लगातार बढ़ते तापमान के कारण संतरा बागों में बड़े पैमाने पर पत्तियां झड़ रही हैं, जिससे फलों का पोषण प्रभावित होकर फल गिरने की समस्या बढ़ गई है. संतरा उत्पादक किसानों का दावा है कि भीषण गर्मी के कारण बागों में लगभग 90 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है और केवल 10 प्रतिशत फल ही सुरक्षित दिखाई दे रहे हैं. इससे संतरा बागायतदारों में चिंता का माहौल है. किसानों के अनुसार मई माह में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचने के कारण संतरा बागों पर गंभीर असर पड़ा है. कई बाग सूखने की कगार पर हैं, जबकि कुछ पेड़ पूरी तरह सूख चुके हैं. अनेक किसान अब बागों को काटने तक की तैयारी कर रहे हैं. बेमौसम ने संतरा बगीचों का हाल बेकार कर दिया है. इसे संभालने की जरूरत है.

मरकर भी अमर करता है हमारा नेत्रदान

विश्व नेत्रदान दिवस पर विशेष, सभी को लेना चाहिए जीवन में नेत्रदान का संकल्प

विदर्भ स्वाभिमान,10 जून

अमरावती- विश्व नेत्रदान दिवस 10 जून को मनाया जाता है, इस उपलक्ष्य में अमरावती का गौरवमयी इतिहास रहा है. डॉ. मदनगोपाल के साथ ही डॉ.राजेश जवादे, डॉ. व्यवहारे सहित कई ऐसे मान्यवरों ने अमरावती शहर में नेत्रदान के लिए सदा प्रयास किया और करना शुरू है. अमरावती में हरीना नेत्रदान समिति के माध्यम से जिस तरह से इस दिशा में भव्यता के साथ कार्य किया जा रहा है, उसकी जितनी सराहना की जाए कम है. मौत के बाद यही एक प्रकार का दान है, जो मरकर भी हमें जिंदा रखता है. शहर में नेत्रदान को लेकर लोगों में जागृति

विदर्भ स्वाभिमान

सुदर्शन गांग,बडनेरा

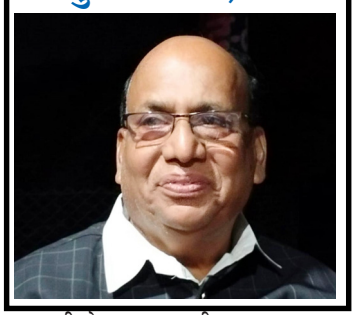

आ रही है. अमरावती शहर रक्तदान और नेत्रदान के साथ ही अवयवदान के मामले में आगे बढ़ना निश्चित ही शहरवासियों के लिए गौरव की बात है. लेकिन इसे गति देना जरूरी है. सरकारी तथा

जीवित रहते नेत्रदान का संकल्प लें

नेत्रदान मौत के बाद किया जाता है. लेकिन जिंदा रहते समय ही व्यक्ति अपने नेत्रदान का संकल्प ले सकता है. एक व्यक्ति के नेत्रदान से दो लोगों को रोशनी मिल सकती है. परिवार के सदस्यों को संकल्प की जानकारी दें और मृत्यु होने पर 6 से 8 घंटे के भीतर निकटतक नेत्र बैं क को इसकी सूचना दें. नेत्र बैंक की विशेषज्ञ टीम मौके पर पहुंचकर पंद्रह से बीस मिनट के भीतर नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी करवा सकती है. वैसे भी मरने के बाद शरीर नश्वर ही हो जाता है, ऐसे में नेत्रदान के माध्यम से दुनिया से विदा होते हुए भी हम कम से कम परमार्थ का सर्वोच्च कार्य कर सकते हैं. जिस व्यक्ति का नेत्रदान करना है, उस व्यक्ती की मौत के बाद मृतक की आंखें बंद करें और सिर के नीचे तकिया रख दें. तत्काल नेत्र बैंक से संपर्क करें. नेत्रदान को सर्वोच्च परमार्थ कार्य कहा जाता है. एक व्यक्ति के नेत्रदान से दो लोगों को दृष्टी मिलती है. यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा है. नेत्रदान महादान है, जो किसी के जीवन में उजाला ला सकता है. लोगों को स्वयं भी इसके लिए आगे आना चाहिए.

यह पूरा व्यापार अमरावती से होता था। अमरावती के गाड़ीवान बैलगाड़ी से मिर्ज़ापुर, यानी उत्तर प्रदेश में गंगा के किनारे जाते थे। इसी तरह व्यापार दक्षिण में हैदराबाद भी जाता था। 1818 तक अमरावती शहर बहुत अमीर था। अंग्रेज़ों ने पूरे भारत पर राज कर लिया था। इस वजह से रियासतों के साथ जो सैनिक थे, वे बेरोज़गार हो गए। उनमें से कुछ ने सेना में भर्ती होकर लूटपाट का बिज़नेस शुरू कर दिया। यहीं से ठगबाजों और पेंढारी की शुरुआत हुई। ऐसे समूह शहरों को लूट लेते थे।

दुग्धपुर्णा (शीतालय)

जब गर्मी सताए तो सही उपाय,
दुग्धपूर्णा शीतालय में आएं...

पायनापल शेक, मँगोशेक, चिकू शेक,ड्रायफ्रूट शेक,
अंजीर- काजू शेक, फ्रेश फ्रूट ज्यूस, स्पेशल ज्युस

राजकमल चौक, अमरावती

रियल होलसेल शोरूम की
रियल सेल

श्रध्दा मॉल

बंपर धमाका सेल

5000 की खरीदी पर 1000 की खरीदी फ्री
साथ ही 10% से 60% तक की छूट भी

■ 2 रा माला, तखतमल ईस्टेट, अमरावती.
■ L4 बिजीलैंड, नांदगाँव पेठ, अमरावती.

होलसेल भावात
संपूर्ण लग्न बस्ता

आराधना

होलसेल शॉपिंग मॉल
होलसेल रेट में रिटेल विक्री
डिझाईनर साडीयाँ, ड्रेस मटेरिअल, सलवार सुट, सुटिंग शर्टिंग, मेन्स वेअर
फॅशन | ज्वेलरी | किड्स् वेअर | शूज व सँडल | होम डेकोर | मैटिंग

जवाहर रोड, अमरावती. ✆ 2574594 / L 2, बिझीलॅन्ड कॉम्प्लेक्स, नांदगावपेठ, अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ असहनीय

जिले की चौदह तहसीलों में कितने विद्यालय अनधिकृत हैं, इस बारे में गहराई से जांच करने की जरूरत आन पड़ी है. अभिभावकों को पता नहीं रहता है लेकिन अनधिकृत विद्यालयों में प्रवेश डोनेशन देकर कराने के बाद भी शिक्षा विभाग द्वारा सूची घोषित की जाती है. चांदूर बाजार तहसील की कुछ निजी स्कूलों की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। चर्चा है कि कुछ स्कूलों के पास अब तक वैध यू-डाइस नंबर नहीं है, जबकि कुछ संस्थाएं दूसरे तहसील या अन्य स्थानों की पंजीयन जानकारी के आधार पर अलग स्थानों पर शैक्षणिक गतिविधियां संचालित कर रही हैं। यह स्थिति केवल चांदूर बाजार नहीं बल्कि राज्यभर की है. जब तक शिक्षा जैसे पवित्र क्षेत्र में इस तरह की स्थिति रहेगी, तब तक निश्चित तौर पर समस्या गंभीर रहने वाली है. शिक्षा विभाग इतने गंभीर विषय में लापरवाह कैसे हो सकता है. इससे शिक्षा विभाग, नगर परिषद, ग्राम पंचायत तथा अन्य प्रशासनिक एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लग गया है। स्कूल शुरू करने के लिए शासन द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार आवश्यक अनुमति, भवन सुरक्षा, स्थानीय स्वराज्य संस्था का अनापत्ति प्रमाणपत्र, अग्नि सुरक्षा, स्वच्छता, खेल मैदान,योग्य शिक्षक तथा यू-डाइस पंजीकरण जैसी शर्तों का पालन अनिवार्य होता है। हालांकि कुछ मामलों में इन प्रक्रियाओं का सही ढंग से पालन हुआ है या नहीं, इस पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है।

यदि किसी स्कूल के पास यू-डाइस नंबर नहीं है या वह गलत पते अथवा दूसरे तहसील की पंजीयन जानकारी के आधार पर संचालित हो रही है, तो इसकी गहन जांच होनी चाहिए। क्योंकि इसका सीधा असर विद्यार्थियों के शैक्षणिक रिकॉर्ड, छात्रवृत्ति योजनाओं, सरकारी लाभ और भविष्य की शैक्षणिक वैधता पर पड़ सकता है।एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी उठ रहा है कि ऐसी स्कूलों को एनओसी जारी करते समय संबंधित नगर परिषद या ग्राम पंचायत ने वास्तविक स्थल निरीक्षण किया था या नहीं। स्कूल भवन की स्थिति, विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सविधाओं और नियमों की पूर्ति की जांच की गई थी या नहीं, इस पर प्रशासन से स्पष्टीकरण की मांग की जा रही है। विद्यालयों का देश के विकास में बड़ा महत्व होता है लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि जब इनकी अधिकृत और अनधिकृतता पर ही शंका है तो निश्चित तौर पर देश के बच्चों का क्या भविष्य होगा, इसका सहजता से अंदाज लगाया जा सकता है. शिक्षा विभाग को राज्यस्तर पर अभियान चलाते हुए ऐसे विद्यालयों की जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए और लोगों के मन के भ्रम को दूर करना चाहिए. अभिभावकों को भी अपने बच्चों को प्रवेश दिलाने के पहले विद्यालय के दस्तावेजों की जांच और मंजूरी की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए. शिक्षा विभाग की भ्रष्ट कार्यप्रणाली के कारण जिस तरह से अनधिकृत विद्यालयों की संख्या बढ़ रही है और भारी-भरकम डोनेशन के कारण गरीब बच्चों पर शिक्षा से वंचित रहने की नौबत आ रही है, वह व्यवस्था के लिहाज से समर्थनीय नहीं कही जा सकती है. वर्तमान में अमरावती सहित चांदूर बाजार में कई विद्यालय अनधिकृत रहने की बात साबित हुई है. शिक्षा क्षेत्र की पवित्रता का संबंध राष्ट्र की प्रगति और विकास से होता है. ऐसे में इस क्षेत्र की पवित्रता को बरकरार रखने और अनधिकृत विद्यालयों का पर्दाफाश करने प्रभावी कदम उठाना चाहिए.

मुंढे साहब हमें भी माफ करना

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

महाराष्ट्र ही नहीं तो अपनी ईमानदारी, कर्तव्यपरायणता के लिए देशभर में सम्मान पाने वाले तुकाराम मुंढे महाराष्ट्र कैडर के 2005 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं. वे अपनी ईमानदारी, अनशासनप्रिय कार्यशैली और भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त रवैये के कारण पूरे महाराष्ट्र में प्रसिद्ध हैं. दुर्भाग्य की बात यह है कि समाज ईमानदार अधिकारी तो चाहता है लेकिन जब कोई मुंढे पैदा होता है तो निश्चित तौर पर उसे साथ नहीं देता है. ऐसे में मुंढे साहब हम भी अपराधी हैं. अन्न व औषधि प्रशासन के आयुक्त के रूप में जिस तरह से उन्हों ने धड़ाकेबाज कार्रवाई शुरू की है, उससे यह सवाल पैदा होता है कि लोगों की जिंदगी से होटल संचालकों के साथ ही जहर से फल पकाने वाले लोगों के खिलाफ अभी तक यह हिम्मत किसी आयुक्त ने क्यों नहीं दिखाई. ऐसे अधिकारी का बार-बार तबादला कर उन्हें

हतोत्साहित करने के लिए सरकार की भी शर्मिं दगी नहीं अनुभव होना निश्चित ही भ्रष्ट व्यवस्था को बढ़ावा देने की मानसिकता उजागर करता है. तुकाराम मुंढे का जन्म महाराष्ट्र के एक साधारण किसान परिवार में हुआ. धन्य हैं मुंढे साहब आपके माता-पिता, जिन्हों ने आप जैसे ईमानदार बेटे को जन्म दिया.सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने कठिन परिश्रम से शिक्षा प्राप्त की और संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता हासिल कर आईएएस बने. असीमित अधिकार होने के बाद भी अभी तक आयुक्त के पद का पता नहीं चल रहा था. लेकिन उन्हों ने अल्प समय में ही इस विभाग की प्रतिमा को चार-चांद लगा दिया. अधिकार तो पूर्व के आयुक्तों को भी उतने ही थे. अपने प्रशासनिक करियर में उन्होंने नांदेड़, जालना, सोलापुर, नासिक, पुणे, नागपुर, नवी मुंबई सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया.जिस भी विभाग में जाते हैं, अपने कार्यों की छाप छोड़ते हैं लेकिन दुर्भाग्य की तीन साल का कार्यकाल **शेष पेज 7 पर**

नेत्रदान में भी देश में चमके अंबानगरी

लाखों नेत्रहीनों को हमारे नेत्रदान से मिल सकता है दुनिया देखने का मौका, संकल्प लेना जरूरी है

पेज 1 से जारी-संस्थास्तर पर प्रयास हो रहा है लेकिन जागरूकता के साथ ही नेत्रदान अथवा अवयवदान को लेकर फैली भ्रांतियां थोड़ा ब्रेक लगाती हैं परन्त कुल मिलाकर स्थिति संतोषजनक कही जा सकती है. अमरावती में नेत्रदान को बढ़ावा मिलने के साथ ही हरीना नेत्रदान समिति सहित अन्य कई संस्थाओं द्वारा भी जागरूकता का प्रयास किया जा रहा है, यह सराहनीय है. इस तरह के प्रयास नतीजे देते हैं, इसमें संदेह नहीं.अमरावती-बडनेरा शहर का अपना महत्व है. यहां पर नेक कामों के लिए लोग सदा तत्पर रहते हैं. यही कारण है कि यहां अगर मौका मिले तो नेत्रदान के मामले में भी राज्य ही नहीं तो देश में अमरावती को आगे रखने के लिए सभी को प्रयास करना चाहिए.

जीवन में कुछ कार्य व्यक्ति को अमर कर देते हैं, उसमें से एक कार्य नेत्रदान भी है, यह मरने के बाद भी व्यक्ति को परमार्थ के लिए जिंदा रखता है. इससे जहां व्यक्ति को अमरत्व मिलता है, वहीं दूसरी ओर किसी की अंधेरे से भरी जिंदगी में प्रकाश डालने का काम करता है. विश्व नेत्रदान दिवस पर अमरावती शहर में जिस तरह से हरीना नेत्रदान, दिशा आय बैंक, महालक्ष्मी नेत्रालय सहित विभिन्न संगठनों द्वारा कार्य किया जा रहा है, वह निश्चित ही सराहनीय है. मनुष्य जीवन अनमोल है, लेकिन जीवन के बाद भी यदि कोई व्यक्ति किसी के काम आ सके, तो इससे बड़ा पुण्य शायद ही कोई हो. नेत्रदान ऐसा ही एक महान दान है, जो किसी

व्यक्ति को मृत्यु के बाद भी जीवित रखता है. कहा जाता है कि आंखें आत्मा का दर्पण होती हैं. जब कोई व्यक्ति अपने नेत्र दान करता है, तो उसकी आंखों की रोशनी किसी अन्य अंधे व्यक्ति के जीवन में उजाला भर देती है. कम से कम वह व्यक्ति संबंधित को जीवनभर याद रखता है.

भारत में लाखों लोग कॉर्निया संबंधी समस्याओं के कारण दृष्टिहीनता का सामना कर रहे हैं. इनमें से अनेक लोगों की आंखों की रोशनी केवल नेत्र प्रत्यारोपण से लौट सकती है. दुर्भाग्य से जागरूकता की कमी और सामाजिक भ्रांतियों के कारण नेत्रदान करने वालों की संख्या अपेक्षाकृत कम है. परिणामस्वरूप हजारों मरीज वर्षों तक प्रतीक्षा सूची में बने रहते हैं. नेत्रदान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे मृत्यु के बाद किया जाता है. व्यक्ति की मृत्यु के छह से आठ घंटे के भीतर उसकी आंखों का कॉर्निया सुरक्षित निकाल कर जरूरतमंद मरीज को प्रत्यारोपित किया जा सकता है. इस प्रक्रिया से मृतक के चेहरे की बनावट पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता और अंतिम संस्कार में भी कोई बाधा नहीं आती. बावजूद इसके इसको लेकर आज भी उतनी जागरूकता नहीं आ सकी है अथवा कुछ भ्रांतियों के कारण भी यह काम प्रभावित हो रहा है.

नेत्रदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानवता की सर्वोच्च सेवा है. एक नेत्रदाता दो व्यक्तियों को नई रोशनी दे सकता है. जिस व्यक्ति ने कभी संसार को अपनी आंखों से देखा हो, वह अपनी मृत्यु के बाद भी किसी अन्य को दुनिया देखने का अवसर दे सकता है. यही कारण है कि नेत्रदान को महादान कहा जाता है.समाज में यह संदेश व्यापक रूप से फैलाने की आवश्यकता है कि नेत्रदान किसी धर्म, जाति या समुदाय से नहीं, बल्कि मानवता से जुड़ा विषय है. सभी धर्म परोपकार और दान की भावना को सर्वोच्च मानते हैं. इसलिए नेत्रदान को लेकर मौजूद मिथकों और गलतफहमियों को दूर करना समय की मांग है.

सभी लें नेत्रदान का संकल्प

आज आवश्यकता है कि प्रत्येक नागरिक नेत्रदान का संकल्प ले और अपने परिवार को भी इसके बारे में अवगत कराए. मृत्यु जीवन का अंत हो सकती है, लेकिन नेत्रदान के माध्यम से किसी की आंखों में रोशनी बनकर हम हमेशा जीवित रह सकते हैं. सच ही कहा गया है-नेत्रदान रखता है मरकर भी ज़िंदा. यह ऐसा दान है जो अंधेरे में जी रहे किसी व्यक्ति के जीवन को प्रकाश से भर देता है और दानदाता को अमर बना देता है.जीवन का सर्वोच्च परमार्थ नेत्रदान कर किया जा सकता है.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010/ 43881

ज़न्मदिन पर सत्कार,आत्मीयता के लिए आभार

अमरावती-जीवन में मैं सौभाग्यशाली स्वयं को मानता हूं क्योंकि अनमोल मार्गदर्शक और मित्रों का खजाना मेरे पास है. 10 जून को जन्मदिन रहने पर बडनेरा के विधायक रविभाऊ राणा, राकांपा राज्य नेता विधायक संजय खोड़के के साथ ही कई अधिकारियों और कर्मचारियों ने शुभकामनाएं दी, वहीं वननेस मुक्तांगण की टीम द्वारा अमित बनारसे, गोपाल चिखलकर, राजेश बनारसे सहित कईयों ने घर पहुंचकर सत्कार किया. जीवन में इस तरह के प्रसंग निश्यित तौर पर यादगार रहते हैं. दिनभर विभिन्न क्षेत्रों के मान्यवरों ने जन्मदिन की शुभकामनाएँ दी. सर्वप्रथम प्रा.डॉ.अजय बों डे ने घर पहुंचकर सत्कार किया. आप सभी को प्रेम के लिए दिल से आभारी हूं.

आनंद परिवार के प्रमुख समाजसेवी सुदर्शन गांग,प्रदीपभैया जैन, अरूण कडू के साथ ही अजीज मित्र डॉ. अजय बोंडे, प्राचार्य संजय शिरभाते, श्री केशरीनंदन बहुउद्देशीय संस्था के अध्यक्ष मनोज चोरे के नेतृत्व में पार्वतीनगर में संस्था द्वारा आयोजित और अभूतपूर्व सफल रही शिवम बापू की शिव महापुराण कथा समिति के सदस्यों ने भी जन्मदिन की शुभकामनाएं दी.सत्कार एक औपचारिकता होती है लेकिन इस माध्यम से अपनों का अपनापन सदैव अच्छा करने की प्रेरणा देता है. आप सभी का विदर्भ स्वाभिमान तथा सुभाष दुबे परिवार सदैव आभारी रहेगा, आपका प्रेम ही जीवन में सनातन धर्म को बढ़ावा देने के साथ ही मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देगा.

शुक्रवार 12 जून को वननेस मुक्तांगण संस्था के पदाधिकारियों गोपाल चिखलकर, अमित बनारसे, शुभम बलखंडे, सुमित मोंढे के साथ ही समाजसेवी राजेश बनारसे ने पहुंचकर शुभकामनाएं दी. दो घंटे मित्रों के साथ कैसे बीत गया, पता नहीं चला. आप सभी का दिल से धन्यवाद. आपका यही प्रेम सदा मेरी ताकत बनता है. सुबह से लेकर रात्रि 12 बजे तक हजारों की संख्या में मित्रों ने जन्मदिन की शुभकामनाएं दी. आप सभी का यही प्रेम सदा कायम रहेगा, इसी कामना के साथ सभी का दिल से आभार.

क़र्मठ,संवेदनशील अधिकारी हैं बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक रणजीत ठाकरे

हर समस्या का करते हैं समाधान,स्टॉफ में सभी के चहेते,ग्राहक भी खुश

हर अधिकारी,कर्मचारी करता है ग्राहकों को मदद, अपार लोकप्रियता मिली

विदर्भ स्वाभिमान, 10 जून

अमरावती- अधिकारियों के बारे में अक्सर नकारात्मक बाते होती हैं लेकिन कुछ अधिकारी आज भी अपने कामों से लोगों के दिलों में स्थान बनाते हैं. बैंक ऑफ इंडिया देवरणकरनगर शाखा के प्रबंधक रणजीत ठाकरे के साथ ही बैं क का हर अधिकारी, कर्मचारी, सुरक्षा रक्षक दीपक आगरकर सहित सभी जिस तरह से ग्राहकों की मदद करते हैं, वह निश्चित ही सराहनीय है. यही कारण है कि आज इस बैंक ने शानदार प्रगति हासिल की है और ग्राहकों का अपार प्रेम पाया है. बैंक प्रबंधक रणजीत ठाकरे का हंसमुख स्वभाव जहां ग्राहकों को प्रभावित करता है, वहीं ग्राहकों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए वे स्वयं तत्पर रहते हैं. पूरा स्टॉफ भी सकारात्मक सोच के साथ ग्राहकों को हरसंभव मदद तथा तत्पर सेवा देने के लिए अग्रणी रहता है.

कहते हैं कि सेवा के दौरान बहुत कम अधिकारी ऐसे भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें लोगों का प्यार मिलता है. लेकिन बैंक ऑफ इंडिया देवरणकरनगर शाखा बडनेरा रोड के वरिष्ठ प्रबंधक रणजीत अरविंद ठाकरे ऐसे ही आदर्श अधिकारी हैं. काम के प्रति समर्पण जहां उनमें रहता है, वहीं बैंक के हर ग्राहक का समाधान करने की दिशा में उनकी सदैव कोशिश होती है. उनके इन्हीं प्रयासों के चलते बैं क के ग्राहकों में जहां उन्हें लेकर अपार हर्ष है, वहींग्राहकों के हितों के साथ ही बैं क के सुरक्षा रक्षक से लेकर अपने सहयोगियों के साथ उनका विनम्र स्वभाव, सदैव मार्गदर्शन करने की तत्परता ने सभी के दिल में उनका स्थान बनाया है.

विदर्भ स्वाभिमान द्वारा औचक

निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि बैं क के किसी बुजुर्ग ग्राहक की मदद को जहां वे तत्पर रहते हैं, वहीं एटीएम संबंधी किसी समस्या का समाधान करने के लिए स्वयं अपनी कुर्सी से उठकर एटीएम मशीन तक जाते हैं. बैंक के सुरक्षा रक्षक दीपक आगरकर बताते हैं कि बैंक प्रबंधक जैसे पद पर रहने के बाद भी सभी को अपार सम्मान देने के साथ ही गलती होने पर समझाने की उनकी अदा सभी को प्रभावित करते हैं. विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में वे कहते हैं कि उन पर जो जिम्मेदारी प्रबंधन ने सौंपी है, वरिष्ठों के मार्गदर्शन में उसे पूरी तरह से समर्पित होकर करने का प्रयास करते हैं.

बैंक के ग्राहकों को अनमोल बताते हुए वे कहते हैं कि ग्राहकों को बेहतरीन सुविधाएं देने के लिए ही उनकी नियुक्ति की गई है, ऐसे में सभी ग्राहकों की मदद के साथ ही मार्गदर्शन करना उनका फर्ज है.बैंक इसी तरह उत्तरोत्तर प्रगति करें, विदर्भ स्वाभिमान परिवार यही कामना करता है. बैंक का सेवाभाव इसे आसमानी बुलंदी पर पहुंचाएगा, यह तय है.

तीन पीढियों का संबंध

बैं क के साथ कई ऐसे ग्राहक भी जुड़े हैं, जिनका तीन पीढ़ियों से बैंक से संबंध है. आज भी वे यहां की सेवा तथा तत्परता की सराहना किए बगैर नहीं रहते हैं. सभी के मुताबिक बैं क के अधिकारियों का सदैव सहयोग रहता है और यही कारण है उन्हें प्रोत्साहित करता है.

गुरूवार 12 से 18 जून 2025

मेष- यह सप्ताह खुशियों वाला रहेगा और इस दौरान किया गया कोई भी काम अच्छा परिणाम देगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है. विवाद से बचना ही श्रेयस्कर होगा.

वृषभ-शांति के साथ स्थितियों को हल करने का प्रयास आपके लिए हितकारी रह सकता है. वर्ना बड़ा नुकसान होने की आशंका है. संभलकर बोलें.वाहन धीरे से चलाएं.थोड़ी मेहनत भी लाभ दिला सकती है.

मिथुन-अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क-आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. समझदारी से समस्या हल होगी. किसी से नाहक विवाद से बचें.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.परीक्षा में सफलता के योग हैं.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.मेहनत ही सफलता का सूत्र हो सकता है. इस पर ध्यान दें.

तुला-नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर-माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

कुंभ-आपकी इच्छाएं पूरी होने वाली हैं. वाहन चलाते समय सतर्कता और सावधानी बरतना श्रेयस्कर रहेगा. घर में खुशी का माहौल रहेगा.

मीन-दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.इस समय छोटी कोशिश सफलता देगी.

ज़गकल्याण के लिए सदा तकलीफ में रहते हैं प्रभु

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

ग़तांक से जारी- ज़गत के कल्याण के लिए परमात्मा को भी कितनी परेशानी उठानी पड़ती है, इसका अनुभव मर्यादा पुरूषोत्तम प्रभू श्रीराम तथा श्रीकृष्ण के साथ भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के जन्म से सीखा जा सकता है.उस पथराव से मेरा घोडा घायल होकर नीचे गिर गया. तब सुंदरी को बनाकर उसे कठोर बुद्धि दी है. उसने मुझे इतना कष्ट दिया है. मुझे चिंता दी है. ब्रह्म ने उस कांता को मेरे लिए बनाया है. इसलिए तुम अब मेरी सहायता करके उस कन्या को प्राप्त करने का उपाय बताओ. ऐसा करेगी तो उसके माता-पिता के. सहोदरादि बंधुओं के साथ मेरे भक्त जन प्रह्लाद, नारदादि परम भागवोत्तमों को साथ भेजूंगा. अनेक गो, भू, हिरन्यादि दान देने से जितना पुण्य होगा उतना पुण्य मांगल्य धारण करानेवालों को मैं दूँगा. इसलिए तुम मुझसे पद्मावती के साथ मांगल्य धारण कराओ.' आगे इस रूप में कहा. 'उचित शुभ लग्न में उसके साथ मेरा विवाह कराने से तुम्हारे प्रति प्रीति बढ़ेगी. इसलिए शीघ्र ही विवाह कराओ.' हरि ने उत्साह से कहा. तब स्नेह से वकुला ने कहा. 'हे पुत्र ! यह परमाश्चर्य की बात है कि धरती में पद्म से इस प्रकार सुंदरी का जन्म होने का क्या कारण है? तुम मोद से इसके बारे में बताओ.' यह सुनकर हरि ने इस रूप में कहा.राम कथा को हरि वकुला को सुनाना पद्मावती (वेदवती) का पूर्व वृत्तांत

हे माँ ! अच्छी तरह सुनी. पूर्व काल में त्रेता युग में दशरथ के पुत्र के रूप में जन्म लेकर, विश्वामित्र के यज्ञ की रक्षा करके, शिव धनु को तोड़कर, जनक की पुत्री के साथ विवाह करके, अयोध्या पहुँचकर, अपने पिता की आज्ञा पर सीता और लक्ष्मण को साथ लेकर राम वनवास पर गया था. तब जंगल में जानकी ने एक माया मृग को देखकर शीघ्र उसे पकड़कर लाने के लिए मुझसे कहा था. मुझे ढूँढ़ते लक्ष्मण भी आ गया था. तब रावण नामक एक राक्षस वहाँ पर आकर सीता को हई. उसे किसी ने नहीं छुड़ाया. तब अग्नि ने रावण से पूछा था कि 'हे पकड़कर रथ पर लाद कर ले गया. तब सीता 'रामा' कहती व्याकुल दशग्रीव! यह सीता नहीं है. यह कौन है?' तब सुनो.

राम ने उस सीता को मेरे पास छोड कर एक ब्रह्मण की स्त्री को सीता की तरह बना कर उसमें रखकर चले गए. तुम्हारे खेह के कारण यह रहस्य मैंने तुमको बताया. इस रूप में शांति से बता कर सीता का वेश वेदवती को डाल कर ले आकर रावण को सौंपा. वह मुर्ख रावण सीता को वहाँ छोडकर उस वेदवती पर कामुक होकर अपने साथ ले गया. अशोक वन में उसे रखा. रामा! कहते अपने को वह वेदवती सीता की तरह वहाँ पर अशोक वन में रही.

इस रूप में वेदवती ही रावण के पास बंदी के रूप में रही. अग्नि ने सीता को अपनी पत्नी के पास छिपाकर रखा. मैंने मनुष्य के वेश में उस रावण से युद्ध करके उसका संहार किया. सीता को पाने के लिए मैंने सागर पर सेतु को बांधा. रावण, कुंभकर्ण आदि मुख्य राक्षसों का संहार किया. सबकी प्रशंसा प्राप्त करके रावण के पास बंदी के रूप तो ही तुमको स्वीकार करूँगा.' ऐसा कहा. तब वह सीता अग्नि में सुरुचिर भक्ति से कूद पड़ी थी. तब दो सीताएँ अग्नि में खड़ी होने से सीता को बुला कर मैंने पूछा था कि 'हे री! तुम्हारे साथ खड़ी वह दूसरी कौन है? सच सच बताओ!' तब सीता ने कहा 'दशकंठ मुझे पकड़कर लाते समय मैं चिंता का शिकार हुई थी. तब मैंने अग्नि देव से प्रार्थना की थी. अग्निदेव ने अपने पास रहनेवाली वेदवती को लाकर रावण को सौंपा रावण की सारी हिंसाओं को झेला है. उसने मेरे लिए यह सब कुछ सहा है. तुम पर इच्छा से तप करनेवाली कन्या होने के कारण इस कन्या पर दया करके सत्करुणा से इसके साथ प्रेम से विवाह कर लो.' इस रूप में सीता ने कहाछ्वेदवती द्वारा माता सीता की रक्षा के लिए किए गए योगदान का जिक्र जैसे ही भगवान ने किया, वह शादी के लिए तैयार हो गई. शेष अगले अंक में

घर की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की सुविधा करें. भीषण गर्मी में उन्हें हमारी सर्वाधिक जरूरत है. सृष्टि हित में विदर्भ स्वाभिमान की विनम्र प्रार्थना है. इस माध्यम से पुण्य कमाने का सुअवसर मिल रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान

शिक्षा ही नहीं, सर्वांगीण विकास की गारंटी है दिल्ली पब्लिक स्कूल में

ख़ेल के साथ ही शिक्षा में चमके हैं कई छात्र, पर्यावरण पर भी देते हैं ध्यान

विदर्भ स्वाभिमान, 10 जून

अमरावती- छात्रों को बेहतरीन शिक्षा के साथ ही आदर्श संस्कार, भारतीय परिवेश के साथ ही हर क्षेत्र में बेहतरीन बनाने का कार्य दिल्ली पब्लीक स्कूल के माध्यम से किया जाता है. विद्यालय के छात्रों के सर्वां गीण विकास के साथ ही उन्हें सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदार नागरिक बनाने का काम भी किया जाता है. यही कारण है कि विद्यालय की लोकप्रियता में तेजी से इजाफा हुआ है और विद्यालय के छात्र शिक्षा के साथ ही विभिन्न खेलों में भी राष्ट्रीय स्तर पर चमक कर नाम रोशन कर रहे हैं.

भारतीय संस्कृति और संस्कारों को बढ़ावा देने का प्रयास भी किया जा रहा है. इसके तहत दादा-दादी सम्मेलन के माध्यम से बच्चों को घर के बुजुर्गों का किस तरह सम्मान करना चाहिए, यह सिखाया जाता है.

यही कारण है कि केवल अमरावती नहीं बल्कि विदर्भ तथा राज्यस्तर पर इस विद्यालय ने स्वयं का स्थान बनाया है. विद्यालय में प्रवेश का मतलब होता है कि छात्रों का सर्वां गीण विकास.संचालकों के साथ ही उच्च शिक्षित शिक्षकों द्वारा खेल, पर्यावरण, माता-पिता की सेवा के साथ ही शिक्षा के साथ ही छात्रों के सर्वां गीण का ध्यान दिया जाता है. यही कारण है कि कुछ ही वर्षों में इस विद्यालय की ख्याति और लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है. संचालकों के साथ ही यहां बच्चों को हर तरह की सुविधाएं दी जाती हैं. स्वास्थ्य को लेकर समय-समय पर सुख्यात डाक्टरों के मार्गदर्शन का सत्र रखा जाता है. इससे विद्यालय में प्रवेश के लिए अभिभावकों की भीड़ उमड़ती है. विद्यालय की बढ़ती लोकप्रियता के साथ ही यह विदर्भ का पहला विद्यालय बना है, जहां के छात्रों ने राष्ट्रपति भवन, संसद भवन का कामकाज देखा. बच्चों को देश का भविष्य कहा जाता है, इसका अनुभव यहां पर आया है.

बिना पर्यावरण के इन्सान जिंदा नहीं रह सकता है. यही कारण है कि प्रकृति है तो ही इन्सान है. इसके महत्व को बताते हुए विदर्भ के सुख्यात दिल्ली पब्लीक स्कूल में बच्चों को पर्यावरण का महत्व बताया गया. अमरावती ही नहीं तो बेहतरीन शिक्षा के मामले में समूचे विदर्भ में सुख्यात डीपीएस में शिक्षा ही नहीं बल्कि छात्रों के सर्वां गीण विकास का प्रयास किया जाता है. यही कारण है कि समय के साथ ही विद्यालय में वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है.

इसी कड़ी में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय प्रबंधन द्वारा बच्चों को पर्यावरण के महत्व बताने के साथ ही इसकी महत्ता और इसे बेहतरीन बनाए रखने के लिए लोगों को क्या करना चाहिए, इसकी जानकारी छात्रों को दी गई. विद्यालय के छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संतुलन किस तरह जरूरी है और इसमें हर व्यक्ति किस तरह योगदान दे सकता है, इसकी जानकारी दी जाती है. इसी तरह विश्व नेत्रदान दिवस पर छात्रों को नेत्रदान का महत्व बताने का कार्य विद्यालय प्रबंधन द्वारा किया जाता है. प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और मानव जीवनशैली के लिए इनके गलत उपयोग से प्रदूषित होते पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने, प्रकृति और पर्यावरण का महत्व समझाने की महती आवश्यकता है और पौधारोपण से अच्छा कोई विकल्प नहीं है. क्षेत्र की अग्रणी शिक्षण संस्था दिल्ली पब्लिक स्कूल सर्वदा सामाजिक सन्देश देने में अग्रसर रहती है जिससे हमारी वर्तमान और भावी पीढ़ियां लाभान्वित हो सके. इस तारतम्य में ? जून को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर डीपीएस में पौधरोपण का कार्यक्रम उल्लासपूर्वक आयोजित हुआ.

स्कूल में हुए कार्यक्रम में विद्यालय की तरक्की में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और छात्रों के लिए आयोजित उपक्रमों में उपस्थीत रहकर मार्गदर्शन करने वाले प्रभारी उपाध्यक्ष डोलेंद्र पाटील ने विश्व पर्यावरण दिन के महत्व पर प्रकाश डाला.विद्यालय की लोकप्रियता न केवल अमरावती बल्कि समूचे संभाग में बढ़ रही है. अभिभावकों से अपने बच्चों को यहां प्रवेश देने का आग्रह प्रबंधन द्वारा किया गया है.

विदर्भ स्वाभिमान

संवाददाता चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में राष्ट्र धर्म और मानव धर्म को समर्पित होकर पत्रकारिता में सकारात्मकता को बढ़ाने का प्रयास करने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मध्य प्रदेश के विभिन्न बड़े महानगरों में संवाददाताओं की नियुक्ती करनी है. सामाजिक, धार्मिक कार्य में उत्साह रखने वाले युवक संपर्क करें. अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8208407139

www.vidarbhswabhiman.com

कृषि विभाग की योजना में मिलता है 90 प्रतिशत तक अनुदान

विदर्भ स्वाभिमान, 10 जून

अमरावती- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत प्रति बूंद अधिक फसल योजना के तहत किसानों को ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली की खरीद पर अनुदान दिया जाता है. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के किसानों को विभिन्न योजनाओं के समन्वय से इस घटक पर कुल 90 प्रतिशत तक अनुदान का लाभ मिल सकता है.

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत लघु एवं सीमांत किसानों को 55 प्रतिशत तथा अन्य किसानों को 25 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है. इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री शाश्वत कृषि सिंचाई योजना के तहत पूरक अनुदान तथा जिला परिषद की डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर स्वावलंबन मिशन योजना एवं बिरसा मुंडा कृषि क्रांति योजना के माध्यम से अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाती है, जिससे पात्र लाभार्थियों को कुल 90 प्रतिशत तक अनुदान उपलब्ध होता है.

योजना का लाभ लेने के लिए किसान के पास भूमि स्वामित्व संबंधी 7/12 और 8-अ दस्तावेज तथा सिंचाई की सुविधा होना आवश्यक है. इच्छुक किसान महाडीबीटी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. तिवसा तहसील कृषि अधिकारी हेमलता इंगले ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अधिक से अधिक किसानों से योजना का लाभ लेने का आग्रह किया है.

2012 से बकाया किसानों को भी मिले कर्जमाफी का लाभ- सामाजिक कार्यकर्ता मुकुंद पूनसे ने जिलाधिकारी के माध्यम से शासन से मांग की है कि पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर शेतकरी कर्जमुक्ति योजना 2026 में वर्ष 2012 अथवा उससे पहले से बकाया किसानों को भी शामिल किया जाए. उनका कहना है कि पूर्व की कर्जमाफी योजनाओं में भी पुराने बकायादार किसान लाभ से वंचित रह गए थे. पूनसे ने कहा कि नई योजना में 1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2025 के बीच लिए गए और 30 सितंबर 2025 तक बकाया ऋणों को ही शामिल किया गया है, जबकि 2012 से बकाया हजारों किसान अब भी उपेक्षित हैं.

जिप सीईओ ने किया विद्यालयों का निरीक्षण

चांदूर रेलवे-चांदूर रेलवे तहसील के विभिन्न गांवों को जिला परिषद सीईओ ने औचक निरीक्षण भेंट देकर जहां जानकारी हासिल की, वहीं अधीनस्थों को समुचित दिशा-निर्देश भी दिया. जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्यम गांधी ने चांदूर रेलवे तहसील के आमला विश्वेश्वर गांव का दौरा कर विकास कार्यों और मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की. उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अधूरे घरकुल शीघ्र पूर्ण करने, सौर ऊर्जा प्रणाली लगाने तथा नए परिवारों को नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए.निरीक्षण के दौरान स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक मुक्त गांव, ऑनलाइन नागरिक सेवाएं, स्वास्थ्य केंद्र में दवा उपलब्धता, सीसीटीवी मरम्मत और आवश्यक सुविधाओं की जांच की गई. आंगनवाड़ी केंद्र में आरओ प्रणाली शुरू करने, पोषण आहार की गुणवत्ता बनाए रखने तथा शैक्षणिक सामग्री व अभिलेख अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए.सत्यम गांधी ने विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि मानसून पूर्व तैयारी और मूलभूत सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी.बीडीओ संजय खारकर सहित अधिकारी उपस्थित रहे.

अभी भी नहीं चला अरूण टाले का पता

बेटे सहित पूरे परिवार का बुरा हाल, पुलिस भी कर रही है लगातार प्रयास, लौट आने का आग्रह

विदर्भ स्वाभिमान,10 जून अमरावती/नागपुर- लगभग 25 दिनों से घर से अचानक निकल गए जिले की उमरेड तहसील निवासी अरूण टाले का पता अभी भी नहीं चला है. इससे बेटा सागर सहित जहां पूरा टाले परिवार चिंता और सदमे में है, वहीं बेटे सागर ने पिता से जहां भी हैं, वहां से घर आने की भावुक अपील की है. उनके मुताबिक घर में सभी परेशान हैं ऐसे में वे जहां भी हैं, वहां से लौट आए. इस बीच उमरेड पुलिस द्वारा भी उनकी तलाश का प्रयास किया जा रहा है. लेकिन अभी तक पुलिस को भी सफलता नहीं मिली.

विगत 25 मई से घर से बिना बताए कहीं चले गए हैं. उनकी खोजबीन के लिए पुत्र सागर टाले के साथ ही पूरा परिवार परेशान हैं, अगर वह किसी को दिखाई दें तो इसकी जानकारी तत्काल उमरेड पुलिस थाना अथवा सागर टाले के संपर्क नंबर पर देने का आग्रह किया गया है. अरूण टाले के घर से जाने के बाद पूरा परिवार परेशान है और उनकी हर

जगह तलाश करने का प्रयास कर रहा है. पुत्र सागर के अलावा परिवार के सदस्यों द्वारा हरसंभव तलाशी का प्रयास किया जा रहा है. इतना ही नहीं तो उमरेड पुलिस में भी उनके लापता होने की शिकायत करने के बाद थानेदार धनाजी झणक के नेतृत्व में भी पुलिस द्वारा उनकी तलाशी क़ा प्रयास किया जा रहा है. किसी को दिखाई देने पर तत्काल उमरेड पुलिस अथवा सागर टाले से संपर्क कर परिवार को राहत देने में सहयोग का आग्रह किया है.

पाक के साथ नहीं होगी कोई रियायत-राजनाथ सिंह

नई दिल्ली-रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि आतंक के संरक्षकों तक सिंधु नदी का पानी नहीं पहुंचने देंगे. भारत शांति की भाषा न समझने वालों को जवाब देना अच्छे से जानता है और जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह बंद नहीं करता, तब तक यह जल-बंटवारा समझौता निलंबित ही रहेगा.रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैदराबाद में आयोजित एक 'बुद्धिजीवी सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' और पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित किए जाने का जिक्र किया.ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से सरकार ने दुनिया को दिखा दिया है कि वह उन लोगों को जवाब देना जानती है जो शांति और सद्भाव की भाषा नहीं समझते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.

मो.9423426199

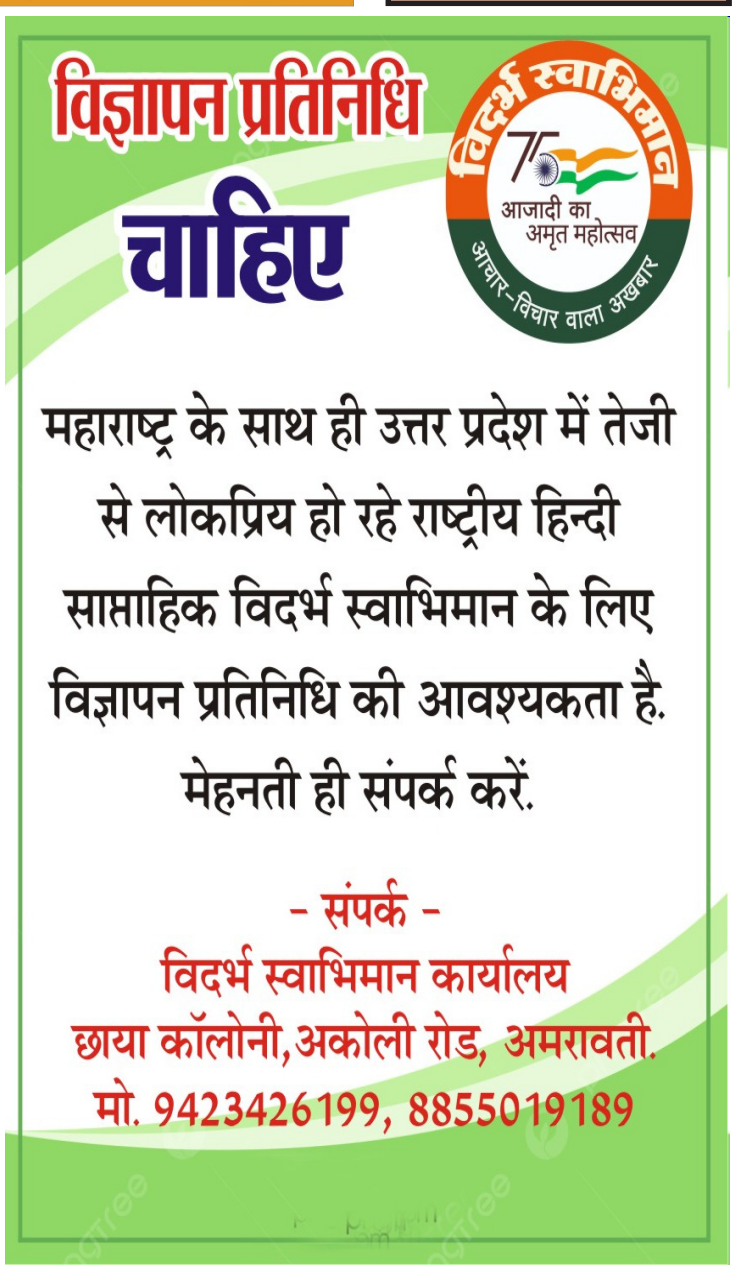

भ्रष्टाचार, अनियमितता के खिलाफ संपादक अग्रवाल करेंगे अनशन

महापौर को सौंपे ज्ञापन में जांच की मांग कर दी चेतावनी

विदर्भ स्वाभिमान, 10 जून

अमरावती- अमरावती महानगरपालिका के पूर्व आयुक्त डॉ. प्रवीण आष्टीकर के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए आमसभा द्वारा पारित प्रस्ताव के बावजूद अब तक जांच समिति का गठन नहीं होने पर विवाद गहराने लगा है. इस मुद्दे को लेकर अमरावती महानगरपालिका में कांग्रेस की ओर से स्वीकृत पार्षद अनिल अग्रवाल ने महापौर श्रीचंद तेजवानी को ज्ञापन सौंपते हुए इस मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की है. साथ ही तत्कालीन आयुक्त व प्रशासक प्रवीण आष्टीकर द्वारा किए गये भ्रष्टाचारों की जांच करने हेतु अगले 15 दिनों के भीतर समिति का गठन नहीं होने पर महानगरपालिका परिसर में भूख हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी गई है. इससे प्रशासन में हड़कंप मच गया है.

पार्षद अनिल अग्रवाल द्वारा महापौर तेजवानी के नाम सौंपे गये ज्ञापन में कहा गया है कि 20 अप्रैल 2026 को आयोजित अमरावती महानगरपालिका की आमसभा में तत्कालीन आयुक्त डॉ. प्रवीण अष्टीकर के कार्यकाल के दौरान हुए विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं में कथित भ्रष्टाचार की जांच के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में स्वतंत्र जांच समिति गठित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया था. आमसभा के दौरान नगरसेवकों ने निर्माण कार्यों, शहरी नियोजन विभाग की प्रक्रियाओं, विकास शुल्क वसूली, दलित बस्ती सुधार योजनाओं, महानगरपालिका निधि के उपयोग, ऑफलाइन निविदा प्रक्रिया तथा जियो टैगिंग के माध्यम से किए गए लगभग 100 करोड़ रुपये के विकास कार्यों में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप उठाए थे. इस पर विस्तृत चर्चा के बाद निष्पक्ष जांच कराने की मांग को सभी पक्षों का समर्थन प्राप्त हुआ था. बैठक में आमसभा के अध्यक्ष तथा महापौर श्रीचंद तेजवानी द्वारा प्रशासन को जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए गए थे. साथ ही यह भी सुझाव दिया गया था कि समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि अनियमितताएं प्रमाणित होती हैं तो संबंधित मामलों में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने सहित आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए. परंतु उक्त आमसभा के निर्णय को 50 दिन से अधिक समय बीत जाने के बावजूद जांच समिति का गठन नहीं किया गया है. इससे मनपा प्रशासन की कार्यशैली तथा आमसभा के निर्णयों के क्रियान्वयन को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं.

उपरोक्त प्रतिपादन के साथ ही पार्षद अनिल अग्रवाल द्वारा महापौर श्रीचंद तेजवानी के ध्यान में यह बात भी लायी गई कि ज्ञापन में कहा गया है कि महानगरपालिका के सर्वोच्च सदन द्वारा सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय को लागू नहीं किया जाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया और जनप्रतिनिधियों की भूमिका को कमजोर करने वाला कदम माना जा रहा है. ऐसे में महापौर तेजवानी को चाहिए कि वे इस विषय पर अपनी स्पष्ट भूमिका सार्वजनिक करें. साथ ही पूर्व आयुक्त डॉ. प्रवीण आष्टीकर द्वारा किए गये भ्रष्टाचारों की जांच करने हेतु सेवा निवृत्त न्यायमूर्ति की अध्यक्षता के तहत जांच समिति के गठन की प्रक्रिया तत्काल शुरू कराएं, ताकि कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच हो सके और नागरिकों के समक्ष वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके.

इसके साथ ही पार्षद अनिल अग्रवाल द्वारा महापौर श्रीचंद तेजवानी को अपने ज्ञापन में यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि अगले 15 दिनों के भीतर जांच समिति का गठन नहीं किया गया तो वे खुद महानगरपालिका मुख्यालय परिसर में भूख हड़ताल आंदोलन शुरू करेंगे. ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी महानगरपालिका प्रशासन और सत्ताधारी व्यवस्था की होगी. पार्षद अनिल अग्रवाल द्वारा महापौर तेजवानी को ज्ञापन सौंपते समय शहर कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी जीतेन्द्र वाघ, सुरेश रतावा एवं मनोज भेले भी उपस्थित थे.

शहर ही नहीं तो जिलास्तर के सुख्यात समाजसेवी, पूर्व नगर सेवक और सामाजिक कामों में स्वयं को झोंकने वाले हम सभी के चहेते तथा मिलनसार स्वभाव के धनी

डॉ.सुभाष रत्नपारखी

को जन्मदिन 10 जून पर हमारी अग्रिम हार्दिक

शुभकामनाएँ.

शुभेच्छुक

रत्नपारखी परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अमरावती

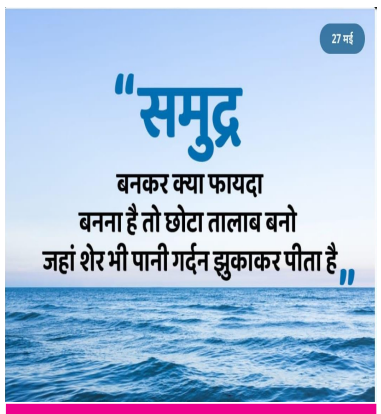

विदर्भ स्वाभिमान

सप्ताह के सात वार के अलावा सबसे बड़ा वार परिवार रहता है. जब सभी एक-दूसरे की भावना समझते हैं, एक-दूसरे का सम्मान करते हैं तो वह सुखी परिवार और इसके उल्टा सभी जब एक-दूसरे से जलने की भावना रखते हैं तो वह दुःखी परिवार होता है. आप सुखी परिवार बनें.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	1912
पुलिस सेवा	112
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायता	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

तुकाराम मुंढे साहब समाज भी अपराधी है.....

पेज 2 से जारी-कहीं पूरा नहीं कर पाते हैं. क्योकि जिस विभाग में जाते हैं बिना किसी स्वार्थ के सफाई अभियान चला देते हैं. सरकार को उनके जैसे अधिकारियों को प्रोत्साहित करना चाहिए लेकिन कमीशनखोरी के दौर में क्लर्क से लेकर सभी स्थानों पर भ्रष्टाचार में ऐसे अधिकारी कैसे अच्छे से काम कर सकता है. जनता भी जहां बोलना वहां नहीं बोलती है, ऐसे अधिकारी के हक में जनता को सामने आना चाहिए. लेकिन दुर्भाग्य हरीशचंद्र की चाहत रहती है लेकिन अपने घर में नहीं. वे नियमों के कठोर पालन, पारदर्शिता और जनहित के लिए जाने जाते हैं. किसी से न दोस्ती न दुश्मनी, केवल नियम कानून के दोस्त के रूप में तुकाराम मुंढे निश्चित ही राज्य की शान कहना गलत नहीं होगा.

भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के विरुद्ध कई साहसिक कदम उठाए.सोलापुर में कलेक्टर रहते हुए प्रशासनिक सुधारों के लिए सराहना प्राप्त की.नवी मुंबई, पुणे और नागपुर में नागरिक सुविधाओं एवं प्रशासनिक अनुशासन को मजबूत करने के प्रयास किए.खाद्य एवं औषधि प्रशासन आयुक्त के रूप में मिलावटखोरी और अवैध गुटखा कारोबार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की. यह जहर युवाओं को खोखला कर रहा है लेकिन उनके जैसे अधिकारी जब कुछ करने की मानसिकता रखते हैं तो तबादले के रूप में उन्हें पुरस्कार दिया जा रहा है तो निश्चित तौर पर कौन अधिकारी ईमानदारी की कठिन डगर पसंद करेगा.

तुकाराम मुंढे अपने बेबाक और समझौता न करने वाले स्वभाव के कारण कई बार स्थानांतरित किए गए. वर्ष 2026 तक उनके प्रशासनिक जीवन में 24 से अधिक तबादले हो चुके हैं, जो उनकी कार्यशैली को लेकर अक्सर चर्चा का विषय रहा है.तुकाराम मुंढे को एक कर्मठ, निडर, जनहितैषी और ईमानदार अधिकारी माना जाता है। उनकी कार्यशैली युवाओं और प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत मानी जाती है. अन्न व औषधि प्रशासन आयुक्त के रूप में जिस तरह से वे कदम उठा रहे हैं, लाखों मिलावटखोरों की घिग्घी बंध रही है लेकिन ऐसे अधिकारी के साथ खड़े रहने वालों की संख्या नगण्य है. उम्मीद की जानी चाहिए कि मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस उन्हें तीन साल तक इस विभाग में रहने देंगे और साफ-सफाई की छूट देंगे. फिलहाल तो हम भी अपराधी हैं मुंढे साहब, जो आप जैसे अधिकारी को तकलीफ होते भी कुछ नहीं कर पाते हैं. ईमानदारी की अपेक्षा सभी अधिकारियों से रखते हैं लेकिन वर्तमान में सौ में 90 बेईमान फिर भी हमारा भारत महान का नारा लगाने वाले दौर में बड़ी मुश्किल से तुकाराम मुंढेजी जैसा कोई अधिकारी अपनी जमीर के मुताबिक काम करता है. लेकिन सरकार द्वारा जिस तरह से परेशान किया जाता है, वह देख, नया आईएएस समझौता करने से विवश होता है.

सेवाभाव रखने वाले साफ दिल संपादक हैं विजय गायकवाड़

13 जून को जन्मदिन पर विशेष, होंगे विभिन्न कार्यक्रम

व्यंकटेश कॉलोनी निवासी और सामाजिक सेवा का भाव रखने वाले मतदार राज समाचार पत्र के संपादक विजय गायकवाड़ को मूर्ति लहान कीर्ति महान कहना गलत नहीं होगा. उनके 13 जून को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी और सत्य के प्रति समर्पण का नाम है. एक संघर्षशील संपादक के रूप में विजय गायकवाड ने अपनी मेहनत से कामयाबी हासिल की है. उनका जीवन इसी समर्पण, साहस और निरंतर संघर्ष की कहानी है. वह केवल समाचारों का संपादन नहीं करते, बल्कि समाज की आवाज बनकर जनहित के मुद्दों को सामने लाने का कार्य करते हैं.

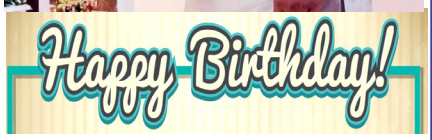

एक साधारण परिवार में जन्मे विजय गायकवाड़ ने सीमित संसाधनों के बीच शिक्षा प्राप्त की. बचपन से ही पढ़ने-लिखने में रुचि होने के कारण उन्होंने सामाजिक घटनाओं और जनसमस्याओं को समझने का प्रयास किया. आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने अपने सपनों को कभी टूटने नहीं दिया और पत्रकारिता को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया.मतदार राज के माध्यम से सामाजिक दायित्व की भावना जहां निभाते हैं, वहीं दूसरी ओर अपने जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाते हैं. दिल के साफ व्यक्ति हैं, किसी के साथ छल-कपट का भाव नहीं रखते हैं.

पत्रकारिता के शुरुआती दौर में उन्हें अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा. कभी मानधन की समस्या रही तो कभी संसाधनों की कमी.कई बार सच्चाई उजागर करने पर विरोध और दबाव भी झेलना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया. जनहित के मुद्दों, किसानों की समस्याओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाकर उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई.

संपादक के रूप में उन्होंने समाचार पत्र को केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन का माध्यम माना.आज भी स्थानीय अखबारों में मतदार राज का संपादकीय पाठक सराहते हैं. उनके नेतृत्व में प्रकाशित खबरों ने अनेक लोगों को न्याय दिलाने, प्रशासन का ध्यान जनसमस्याओं की ओर आकर्षित करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया. निष्पक्षता, निर्भीकता और विश्वसनीयता उनकी कार्यशैली की पहचान बन गई.संघर्षों से भरे सफर में उन्होंने नई पीढ़ी के पत्रकारों को भी मार्गदर्शन दिया और पत्रकारिता के मूल्यों को बनाए रखने का संदेश दिया. उनका मानना रहा कि पत्रकार का सबसे बड़ा धर्म सत्य और समाज के प्रति ईमानदारी है.दिल के साफ और यारों के यार विजय गायकवाड़ ने हजारों मित्र परिवार पैदा किए हैं. उन्हें जन्मदिन पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना. अंत में शायरी

संघर्ष की राहों पर जो चलते जाते हैं,
वही इतिहास में अपना नाम लिखाते हैं।
ऐसे कर्मठ युवा नेता को जन्मदिन पर प्रणाम,
आपका भविष्य हो उज्ज्वल, बढ़े देश और समाज का मान।

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क,अमरावती.

हरविले आहेत

अरुण टाले
उमरेड जि. नागपूर

दि. 25/5/2026 पासून
उमरेड शहरातील बुधवारी पेठ
येथील घरातून न सांगता निघून गेले.
तेव्हापासून आजपर्यंत बेपत्ता आहेत.

सदर व्यक्ती आढळल्यास खालील नंबर वर संपर्क साधावा.

* संपर्क * **सागर टाले**
+91 8888398914
पत्ता : बुधवारी पेठ, जुना पोस्ट ऑफीसच्या मागे, उमरेड जि. नागपूर

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें. मानवता की सेवा तथा राष्ट्रधर्म को समर्पित तथा पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को महत्व देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मदद तथा आपके विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान
संपर्क
9423426199/8855019189

ज़ानलेवा है राजकमल चौक का वह गड्ढा

अमरावती- शहर का कौन भाग्यविधाता है, यह तो पता नहीं लेकिन शहरवासियों की मौत का इंतजाम हर जगह दिखाई देता है. सड़क के गड्ढे के अलावा मनपा मुख्यालय राजकमल चौक पर सिग्नल के पास का गड्ढा तो किसी दिन किसी की जान का दुश्मन बन सकता है. मोपेड जैसी गाड़ियों का टायर इसमें कभी भी फंसकर बड़ा हादसा हो सकता है. सिग्नल के करीब स्थिति इस गड्ढे से मोपेड गुजरते समय कमर को लगने वाला झटका दर्दनाक रहता है. मनपा से चंद कदमों की दूरी पर स्थित यह समस्या किसी अधिकारी को नहीं दिखना भी आश्चर्यजनक कहा जा सकता है. ऐसे कई गड्ढे शहर में सड़कों पर हैं.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

विदर्भ स्वाभिमान
RNI NO. MAHHIN/2010/43881
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे
प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा
शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.
--संपर्क--
प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.